।। अर्हम् ।।


# आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

**दूरभाश : 01565–224600, 224900**

**ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com**


## वर्तमान मे सबसे बड़ी समस्या है धर्म – आचार्य महाप्रज्ञ

**–तुलसीराम चौरड़िया–**

श्रीडूँगरगढ़ 23 मार्च : राश्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने प्रवचन कार्यक्रम में वर्तमान जगत् की सबसे बड़ी समस्या ध र्म को बताते हुए कहा कि दूनियां में भूखमरी से लेकर विधान सभा, लोकसभा तक समस्या ही समस्या है। आज ध र्म भी बड़ी समस्या बनता जा रहा है। नैतिकता को नजर अन्दाज करने के कारण धार्मिक कहलाने वाला व्यक्ति अध ार्मिक, अप्रमाणित कार्य ज्यादा करता है। आज धर्म के मूल स्वरूप को ही बदल कर रख दिया है जिससे धर्म के प्रति युवाओं में अनास्था पैदा हो रही है। आज सबसे ज्यादा जरूरत है धार्मिक लोगों में नैतिकता के भाव पुश्ट हो और उसके बाद सत्ता की बागडोर थामने वाले लोगों में नैतिकता आये तब भ्रश्टाचार उन्मूलन की बात सार्थक सिद्ध होगी।

आचार्य महाप्रज्ञ ने अणुव्रत को धार्मिक जगत् की सबसे बड़ी क्रांति बताते हुए कहा कि पद की लालसा, ध ान की लालसा यह मानव की कमजोरियां है, दुर्बलताएं है। अगर इन कमजोरियों को दूर कर सकता और मानव का कोई परिश्कार कर सकता है तो वह अणुव्रत है। उन्होने कहा कि नैतिकता के साथ धन का अर्जन होता तो आज कोई भी भूखा नहीं रहता। आचार्य महाप्रज्ञ ने सरकार की तरफ से भी नैतिकता की कोई ब्रांच न खोले जाने की चर्चा की और अणुव्रत के पटेल समाज को एकजुट होकर भ्रश्टाचार उन्मूलन के कार्य करने की प्रेरणा दी। इससे पूर्व युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि पूजा, उपासना से ज्यादा नैतिकता, सच्चाई को महत्त्व दें। सच्चाई का धर्म सबसे बड़ा धर्म धर्म होता है। कार्यक्रम में सूरत की अणुव्रत समिति से जुड़े पटेल समाज के कार्यकर्ता रमे ा एन. पटेल, सुमन भाई पटेल, बाबू भाई पटेल एवं विनोद बांठिया ने वहां चलने वाली समाज उत्थान गतिविधियों की जानकारी दी। संचालन मुनि दिने ाकुमार ने किया।

## ''विज्ञप्ति'' सदस्यता अभियान भुरू

तेरापंथ धर्मसंघ के प्रामाणिक गजट के रूप में जानी जाती 'विज्ञप्ति' के नये सदस्य बनाने लिए आद र्ा साहित्य संघ के द्वारा एक अभियान भुरू किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए आद र्ा साहित्य संघ के अध यक्ष नवरतनमल दुगड़ ने बताया कि राश्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम का विवरण, संघीय आदे ा निर्दे ा, सूचनाएं आदि लेकर विज्ञप्ति हर सप्ताह पाठक के पास पहुंचती है। तेरापंथ के प्रत्येक परिवार तक पहुंचे इस उद्दे य को लेकर आद र्ा साहित्य संघ ने सीमित समय के लिए आजीवन सदस्यता अभियान मर्यादा महोत्सव में भुरू किया है। इस अभियान के अन्तर्गत जो विज्ञप्ति के सदस्य नहीं है वो मात्र 1100 रु. में अगले 15 वर्शों तक सदस्य बन सकते हैं। उन्होने बताया कि सदस्य बनने के इच्छुक आद र्ा साहित्य संघ के बैंक एकाउंट में भुल्क जमा करवाकर रसीद की फोटोकॉपी आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास स्थल पर स्थित ि ाविर कार्यालय में अथवा दिल्ली कार्यालय में अपने नाम और पूरे पते के साथ जमा करवा सकते हैं।

**तुलसीराम चौरड़िया**
**मीडिया संयोजक**